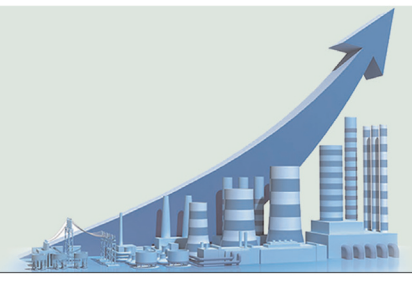

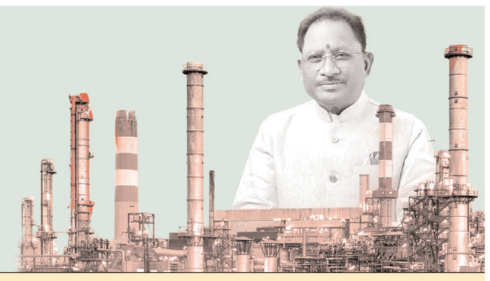

छत्तीसगढ़ से चलेगा AI का जादू

नया रायपुर में बनेगा छत्तीसगढ़ का पहला AI डेटा सेंटर पार्क

टेक्नोलॉजी की दुनिया में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) स्पेशल इकोनॉमिक जोन (SEZ) छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर में बनने जा रहा है। ये एक खास जोन होगा जो सिर्फ AI और कंप्यूटर डाटा से जुड़ी टेक्नोलॉजी के लिए बनाया जाएगा। इसमें ऐसे हाईटेक कंप्यूटर और सर्वर लगेंगे जो इंसानों की तरह सोचने वाले AI सिस्टम्स को चलाएंगे। यहां देश-विदेश की बड़ी टेक कंपनियां अपने डिजिटल कामकाज करेंगी।

प्रोजेक्ट डिटेल्स

1 निर्माता कंपनी
रैकबैंक डेटासेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड
(RackBank Datacenters Pvt. Ltd.)

2 कुल निवेश
लगभग 1000 करोड़ रुपए

3 क्षेत्रफल
लगभग 6 एकड़

4 पहला चरण
1.5 लाख वर्गफुट का मॉडर्न डेटा सेंटर

5 भविष्य की योजना
चार और हाई-डेंसिटी डेटा सेंटर्स

5 कुल क्षमता
80 मेगावाट
(कई राज्यों का डिजिटल नेटवर्क संभालने में सक्षम)

नवा रायपुर देश का अगला डिजिटल और टेक्नोलॉजी हब

सरकार ने इस जोन को बढ़ावा देने के लिए टैक्स में छूट और कई कानूनी रियायतें दी हैं ताकि नए टेक्नोलॉजीज तेजी से डेवलप हो सकें। देश में पहली बार ऐसा जोन बन रहा है जो पूरी तरह से ढ्ढ को समर्पित है। इससे नवा रायपुर को देश का अगला डिजिटल और टेक्नोलॉजी हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

रैकबैंक डेटासेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड बना रहा एआई जोन

इस प्रोजेक्ट को रैकबैंक डेटासेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (RackBank Datacenters Pvt. Ltd.) बना रही है। इसमें करीब 1000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। ये स्पेशल इकोनॉमिक जोन करीब 6 एकड़ में फैलेगा और इसमें 1.5 लाख वर्गफुट का मॉडर्न डाटा सेंटर बनेगा, जिसमें अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी होगी। भविष्य में इसमें चार और हाईडेंसिटी डाटा सेंटर्स बनाए जाएंगे, जिनकी कुल क्षमता 80 मेगावाट होगी, जिससे कई राज्यों का डिजिटल नेटवर्क संभाला जा सकेगा।

आज के समय में एआई सिर्फ कंप्यूटर तक सीमित नहीं

आज के समय में एआई सिर्फ कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, ये हमारी भाषा, सोच, पढ़ाई, सेहत, खेती सब कुछ प्रभावित कर रहा है। रायपुर में बन रहा ये डाटा सेंटर इन सभी सेवाओं का मुख्य केंद्र होगा। Google, OpenAI, Microsoft, Meta जैसी कंपनियां यहां से अपनी एआई सेवाएं चलाएंगी। पहली बार भारत सिर्फ इन सेवाओं का यूजर नहीं बल्कि खुद इनका निर्माता और होस्ट भी बनेगा।

डाटा सेंटर को ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन के मुताबिक बनाया जाएगा, जिसमें सोलर एनर्जी, पानी की बचत और एनर्जी-एफिशिएंट मशीनें इस्तेमाल की जाएंगी।

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में दिलाएगा पहचान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस पहल को 'नए छत्तीसगढ़ की नई शुरुआत' बताया है। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में पहचान मिलेगी। ये प्रोजेक्ट डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया के विजन को भी आगे बढ़ाएगा। रैकबैंक के सीईओ नरेंद्र सेन ने कहा कि, 'इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत को AI के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। यहां आईटी इंजीनियर, डाटा स्पेशलिस्ट, साइबर सिक्योरिटी अफसर, नेटवर्क मैनेजर जैसे कई प्रोफेशनल्स को नौकरी मिलेगी। कंपनी छत्तीसगढ़ के आईटीआई, इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के साथ मिलकर ट्रेनिंग प्रोग्राम भी चलाएगी ताकि स्टूडेंट्स को इंडस्ट्री के लिए तैयार किया जा सके।'

छत्तीसगढ़ क्यों है खास?

छत्तीसगढ़ सरप्लस बिजली स्टेट है इस वजह से यहां पर डाटा सेंटर के लिए बड़ी संभावनाएं हैं। रैस बैंक डाटा सेंटर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इसका भूमिपूजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार कोर सेक्टर के साथ ही आधुनिक जमाने के अनुरूप नये उद्योगों को बढ़ावा दे रहे हैं। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन द्वारा इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संकल्पित रूप से काम किया जा रहा है। बीते दिनों प्रदेश में सेमीकंडक्टर यूनिट के लिए भी भूमिपूजन किया गया। इसकी लागत 1163 करोड़ की है। डाटा सेंटर एआई को संचालित करने के लिए सबसे उपयोगी टूल होते हैं। एआई लार्ज लैंग्वेज माडल पर काम करते हैं और डाटा माइनिंग का काम करते हैं। जब भी डाटा माइनिंग होती है बड़े पैमाने पर ऊर्जा लगती है और इसके लिए डाटा सेंटर उपयोगी होते हैं। भविष्य की प्रगति इस बात पर निर्भर है कि हम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर किस तरह से आगे बढ़ेंगे।

गांव से ग्लोबल तक का सफर

इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात ये है कि इसका असर सिर्फ बड़े शहरों तक नहीं रहेगा, बल्कि गांव और छोटे कस्बों तक पहुंचेगा। कांकेर, सुकमा, बिलासपुर, दंतेवाड़ा जैसे जिलों के स्टूडेंट्स अब रायपुर में रहकर ग्लोबल कंपनियों के साथ काम कर सकेंगे। अब उन्हें बेंगलुरु या विदेश जाने की जरूरत नहीं होगी।

छत्तीसगढ़ में एआई डाटा सेंटर के लिए असीम संभावनाएं

दुनियाभर में डाटा सेंटर की मांग तेजी से बढ़ रही है क्योंकि आर्टिफिशल इंटेलीजेंस की बुनियाद डाटा सेंटर पर होती है। छत्तीसगढ़ सरप्लस बिजली स्टेट है, इस वजह से यहां पर डाटा सेंटर के लिए असीम संभावनाएं हैं। रैस बैंक डाटा सेंटर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से इसका भूमिपूजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार कोर सेक्टर के साथ ही आधुनिक जमाने के अनुरूप नये उद्योगों को बढ़ावा दे रहे हैं। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन की ओर से इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संकल्पित रूप से काम किया जा रहा है। बीते दिनों प्रदेश में सेमीकंडक्टर यूनिट के लिए भी भूमिपूजन किया गया। इसकी लागत 1163 करोड़ की है।

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में दिलाएगा पहचान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस पहल को 'नए छत्तीसगढ़ की नई शुरुआत' बताया है। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में पहचान मिलेगी। ये प्रोजेक्ट डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया के विजन को भी आगे बढ़ाएगा। रैकबैंक के सीईओ नरेंद्र सेन ने कहा कि, 'इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत को AI के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। यहां आईटी इंजीनियर, डाटा स्पेशलिस्ट, साइबर सिक्योरिटी अफसर, नेटवर्क मैनेजर जैसे कई प्रोफेशनल्स को नौकरी मिलेगी। कंपनी छत्तीसगढ़ के आईटीआई, इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के साथ मिलकर ट्रेनिंग प्रोग्राम भी चलाएगी ताकि स्टूडेंट्स को इंडस्ट्री के लिए तैयार किया जा सके।' टेक्नोलॉजी की दुनिया में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) स्पेशल इकोनॉमिक जोन (SEZ) छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर में बनने जा रहा है। ये एक खास जोन होगा जो सिर्फ AI और कंप्यूटर डाटा से जुड़ी टेक्नोलॉजी के लिए बनाया जाएगा।